RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 151
दि. 30.09.2025,
मंगलवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

पीएम मोदी ने दिया सरकार और संगठन को मिलकर चलने का संदेश, दिल्ली बीजेपी दफ्तर के उद्घाटन के मौके पर किया आह्वान

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली भाजपा के नए कार्यालय का उद्घाटन किया और कार्यकताओं से जनसेवा को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार शहर के विकास के लिए लगातार काम कर रही है जिसमें झुग्गीवासियों के लिए घर बेहतर अस्पताल और स्कूल इलेक्ट्रिक बसें और यमुना नदी की सफाई शामिल हैं। कार्यालय में कार्यकताओं को नागरिकों की समस्याओं का समाधान करने पर ध्यान देना चाहिए।

भाजपा की वर्ष 1998 के बाद दिल्ली की सत्ता में वापसी हुई है। विधानसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्लीवासियों से विकसित दिल्ली के लिए भाजपा की सरकार लाने की अपील की थी।

उन्होंने विकसित दिल्ली के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए दिल्ली की भाजपा सरकार और संगठन को

मिलकर चलने को कहा। दिल्ली भाजपा के कार्यालय का उद्घाटन करने के बाद उन्होंने कहा कि इसकी पहचान यहां की सुविधाओं से नहीं बल्कि जनसुनवाई और जनसेवा से होनी चाहिए।

भाजपा कार्यालयों की तुलना मंदिर से करते हुए उन्होंने यहां के नेताओं व कार्यकताओं से आम नागरिकों की सेवा और उनकी समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। कहा, कई वर्षों के अंतराल के बाद दिल्ली में भाजपा की सरकार आई है।

दिल्ली के लोगों ने अपने सपनों को पूरा करने, अच्छे भविष्य की उम्मीद से भाजपा को समर्थन दिया है, इसलिए नए कार्यालय में बैठने वाले प्रत्येक पदाधिकारी का दायित्व बड़ा है। यह हमेशा याद रखना होगा कि इस कार्यालय में हमारा कार्यकर्ता किसी ना किसी जरुरतमंद की उम्मीद लेकर आएगा।

उसकी उम्मीदों को पूरा करने के लिए सामूहिक प्रयास करना होगा। इस कार्यालय में बैठकर लिए जाने वाले निर्णय में जितनी संवेदना और सेवा भाव होगा उतना ही दिल्लीवासियों को हित होगा।

उन्होंने दावा किया कि दिल्ली सरकार दिल्ली के नवनिर्माण में लगी हुई है। झुग्गियों में रहने वालों के लिए घर बनाने, सरकारी अस्पतालों और

गोरखनाथ मंदिर परिसर स्थित शक्तिपीठ पर सीएम योगी ने महानिशा पूजन कर की लोकमंगल के लिए प्रार्थना

गोरखपुर। (जीएनएस)। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री एवं योगी आदित्यनाथ ने सोमवार देर शाम शारदीय नवरात्र की महाअष्टमी तिथि के मान में गोरक्षपीठ की परंपरा के अनुसार महानिशा पूजन और हवन किया। महानिशा पूजन अनुष्ठान से पूर्व उन्होंने वैदिक मंत्रों के बीच जगतजननी मां आदिशक्ति आराधना की।

शारदीय नवरात्र के पर्व पर गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर के शक्तिपीठ में महानिशा पूजा का विशिष्ट अनुष्ठान पूर्ण कर लोकमंगल के लिए प्रार्थना की।

सोमवार दोपहर बाद लखनऊ से गोरखपुर आए मुख्यमंत्री ने कुसम्ही जंगल में बुढ़िया माई मंदिर में दर्शन-पूजन किया। इसके बाद वह गोरखनाथ मंदिर पहुंचे। मंदिर में गुरु गोरखनाथ का दर्शन-पूजन करने के

बाद अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधिस्थल पर जाकर शीश नवाया। देर शाम वह महानिशा पूजा में सम्मिलित हुए।

गोरखनाथ मंदिर की शक्तिपीठ में महानिशा पूजा का अनुष्ठान गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रारंभ हुआ। दो घंटे से अधिक चले अनुष्ठान में गोरक्षपीठाधीश्वर ने गौरी गणेश पूजन, वरुण पूजन, पीठ पूजन, यंत्र पूजन, मां दुर्गा का विधिवत पूजन, भगवान राम-लक्ष्मण-सीता का षोडशोपचार पूजन, भगवान कृष्ण एवं गोमाता का पूजन, नवग्रह पूजन, विल्व पूजन, अधिष्ठात्री देवता पूजन, शस्त्र पूजन, द्वादश ज्योर्तिलिंग-अर्धनारीश्वर एवं शिव-शक्ति पूजन, वटुक भैरव, काल भैरव, त्रिशूल पर्वत पूजन किया।

साथ ही हवन की वेदी पर ब्रह्मा, विष्णु, रुद्र और अग्नि देवता का आह्वान कर पूजन किया और शक्तिपीठ में स्थापित वेदी पर उगे जौ के पौधों को काटकर आदिशक्ति मां दुर्गा से लोकमंगल की प्रार्थना की।

महानिशा पूजा का अनुष्ठान गोरक्षपीठाधीश्वर ने हवन करके पूर्ण किया। समस्त अनुष्ठान श्रीदुर्गा सप्तशती के पाठ एवं वैदिक मंत्रों के साथ संपन्न हुआ। अंत में आरती एवं क्षमा याचना के बाद प्रसाद वितरित हुआ। इस अवसर पर काशी से आए जगद्गुरु स्वामी संतोषाचार्य उर्फ सतुआ बाबा, गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ समेत बड़ी संख्या में गोरखनाथ मंदिर के भक्त उपस्थित रहे।

अफगान जलेबी पर ठुमके लगाकर इरफान पठान ने पाकिस्तान को लगाया ठिकाने!

एशिया कप 2025 के फाइनल में भारत ने पाकिस्तान को धूल चटाकर खिताब अपने नाम किया, और इस जीत का जश्न पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इरफान पठान ने 'अफगान जलेबी' गाने पर धमाकेदार डांस के साथ मनाया।

तिलक वर्मा की नाबाद 69 रनों की शानदार पारी ने भारत को 147 रनों के लक्ष्य तक पहुंचाया, जिसके बाद सोशल मीडिया पर इरफान का डांस और तंज भरे पोस्ट वायरल हो गए।

दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए फाइनल में भारत के सामने 147 रनों का लक्ष्य था। तीसरे ओवर में 10 रन पर दो विकेट गिरने के बाद तिलक वर्मा ने क्रीज पर कदम रखा।

पाक अधिकृत जम्मू-कश्मीर में प्रदर्शनकारियों पर पुलिस ने चलाई गोलियां, 3 की मौत, एक दर्जन से अधिक घायल

(जीएनएस)।

पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) में हिंसक विरोध प्रदर्शनों और पूर्ण बंद के कारण तीन लोगों की मौत हो गई और सुरक्षा बलों के साथ झड़पों में एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। यह अशांति संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी द्वारा उठाई गई मांगों को पूरा करने में सरकार की विफलता पर बढ़ते गुस्से के बीच आई है।

मृतक की पहचान नीलम के रहने वाले एम. सुलमान के बेटे सधीर अवान के रूप में हुई है। गोलीबारी में घायल हुए लोगों में छन्नी के अब्दुल्ला खोखर के बेटे मुश्ताक अहमद, जलालाबाद के नूर हुसैन के बेटे इबरार, सलीम के बेटे आशर, एम जुल्फिकार, बिशारत, इस्लाम अल्लाह, अहमद, अनीस उर रहमान, नदीम अब्बासी, मुश्ताक अहमद, एम अली, अनवाइज, एम अदील, नदीम खान, नूर हुसैन, दिलावर और अब्दुल शकूर शामिल हैं।

इस हिंसा के बीच, जेके एक्शन कमेटी के अध्यक्ष शौकत नवाज मीर ने मुजफ्फराबाद से बोलते हुए राज्य संस्थानों पर प्रदर्शनकारियों को निशाना बनाने का सीधा आरोप लगाया। उन्होंने कहा, "इस समय, राज्य लोगों को मारने आया है। राज्य के संस्थान, राज्य की सरकार, राज्य का प्रशासन, गुंडे, आतंकवादी, हमारे पास सबूत हैं। पुलिस हमारे साथ है।"

उन्होंने आगे आरोप लगाया, "राज्य में लोगों की हत्या की जा रही है। और हमारा पाकिस्तानी मीडिया झूठी खबरें फैला रहा है। सर, सब कुछ यहीं हो रहा है।" उनकी ये टिप्पणियाँ मीरपुर, कोटली और मुजफ्फराबाद में बंद और रैलियों के फैलने के बीच आईं, जहाँ बड़ी संख्या में लोगों ने अपने अधिकारों की मांग के लिए एकजुटता दिखाई।

कानून के विद्यार्थियों ने जिला कारागार का किया शैक्षणिक भ्रमण

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ के विधि अध्ययन संकाय द्वारा स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा 2025 तथा मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत सोमवार को जिला कारागार, लखनऊ का शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल के निर्देश तथा कुलपति प्रो. अजय तनेजा और कुलसचिव डॉ. महेश कुमार के संरक्षण में संपन्न हुआ।

भ्रमण के दौरान कारागार अधीक्षक सहित अधिकारियों ने छात्रों को जेल की कार्यप्रणाली, सुरक्षा व्यवस्था, कैदियों की दिनचर्या, स्वास्थ्य सुविधाएं और शिक्षा कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी। विद्यार्थियों ने प्रत्यक्ष रूप से बैरक, भोजनालय, अस्पताल और पुस्तकालय का निरीक्षण किया। साथ ही कैदियों के लिए चलाए जा रहे कौशल विकास एवं पुनर्वास कार्यक्रमों को भी देखा।

इस अवसर पर संकायाध्यक्ष प्रो. मसूद आलम और विभागाध्यक्ष डॉ. पीयूष कुमार त्रिवेदी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समन्वयन सहायक आचार्य डॉ. कृष्ण मुकुंद ने किया, जबकि संयोजक डॉ. प्रशांत कुमार वरुण और सह-संयोजक डॉ. तान्या सागर रहे।

भ्रमण के अंत में विद्यार्थियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम से उन्हें न्याय व्यवस्था की वास्तविकताओं और सुधारात्मक दृष्टिकोण को समझने का अवसर मिला। कुलपति प्रो. अजय तनेजा और कुलसचिव डॉ. महेश कुमार ने कहा कि ऐसे शैक्षणिक भ्रमण छात्रों को संवेदनशील और जिम्मेदार विधि व्यवसायी बनने की प्रेरणा देते हैं।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में अहमदाबाद शॉपिंग फेस्टिवल-2025 के आयोजन के लिए गांधीनगर में हुई उच्च स्तरीय बैठक

(जीएनएस)।

गांधीनगर, 29 सितंबर : राज्य सरकार और अहमदाबाद महानगर पालिका के सहयोग से इस वर्ष 5 दिसंबर से 16 जनवरी, 2026 तक अहमदाबाद शॉपिंग फेस्टिवल का आयोजन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल की अध्यक्षता में सोमवार को गांधीनगर में इस शॉपिंग फेस्टिवल के आयोजन को लेकर हुई एक उच्च स्तरीय बैठक में यह निर्णय लिया गया।

बैठक में यह भी तय किया गया कि इस वर्ष अहमदाबाद शॉपिंग फेस्टिवल में स्वदेशी उत्पादों को ग्लोबल अपील के साथ बढ़ावा दिया जाएगा, ताकि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के भारत देश के युवाओं की मेहनत और बेटे-बेटियों के परिश्रम के पसीने से बनी स्वदेशी वस्तुओं के अधिक से अधिक उपयोग के आह्वान को साकार किया जा सके।

बैठक में शहर के बाजारों को अलग-अलग थीमों के साथ विकसित कर देश के सबसे बड़े शॉपिंग

फेस्टिवल के रूप में अहमदाबाद शॉपिंग फेस्टिवल की इमेज को और अधिक व्यापक बनाने के आयोजन पर विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में सहकारिता एवं उद्योग राज्य मंत्री श्री जगदीश विश्वकर्मा, मुख्य सचिव श्री पंकज जोशी, मुख्यमंत्री के मुख्य सलाहकार डॉ. हसमुख अढिया, वित्त विभाग के प्रधान सचिव श्री टी. नटराजन, जीएसटी आयुक्त श्री राजीव टोपनो, शहरी विकास विभाग के प्रधान सचिव श्री थेन्नारसन, मुख्यमंत्री की अपर प्रधान सचिव श्रीमती अवंतिका सिंह, अहमदाबाद महानगर पालिका के आयुक्त श्री बंछानिधि पाणि और मुख्यमंत्री के सचिव डॉ. विक्रांत पांडे सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ सचिव मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने बैठक में इस प्रकार के उत्पादों की बिक्री के संबंध में मार्गदर्शन दिया जिससे कि इस वर्ष का शॉपिंग फेस्टिवल बड़ी तादाद में लोगों को आकर्षित करे, साथ ही आम लोगों के बीच एक ऐसी इमेज बने कि यहां सब कुछ मिलता है।

मुख्यमंत्री ने इस वर्ष के आयोजन की रूपरेखा के संदर्भ में कहा कि यदि संभव हो तो इस वर्ष जीएमडीसी मैदान में वेडिंग डेस्टिनेशन जोन सहित अलग-अलग जोन स्थापित कर शॉपिंग फेस्टिवल में एक ही स्थल पर विभिन्न वस्तुएं एक छत तले उपलब्ध कराई जाएं।

जीत अडाणी के साथ जुबीन गर्ग के घर पहुंचे गौतम अडाणी

(जीएनएस)।

बॉलीवुड के फेमस सिंगर जुबीन गर्ग की मौत को लेकर हर दिन कोई न कोई नया खुलासा हो रहा है। असम के मुख्यमंत्री हेमंत सरमा बिस्वा ने एसआईटी का गठन कर सिंगर के मौत की गहन जांच का निर्देश दिया है।

बिजनेसमैन गौतम अडाणी पहुंचे गुवाहाटी

वहीं सिंगर जुबीन गर्ग की पत्नी ने सीआईडी से इस केस की जांच कराने की मांग की है। इसी बीच देश के फेमस बिजनेसमैन गौतम अडाणी अपने बेटे जीत अडाणी के साथ असम के गुवाहाटी पहुंचे थे।

गौतम अडाणी और जीत अडाणी ने जुबीन गर्ग को दी श्रद्धांजलि

गुवाहाटी में गौतम अडाणी और उनके बेटे जीत अडाणी ने दिवंगत गायक-संगीतकार जुबीन गर्ग के घर पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

राजस्थान में जाते हुए मानसून ने ली करवट, 20 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी

राजस्थान में मौसम ने एक बार फिर करवट ली है। प्रदेश से मानसून की लगभग विदाई हो चुकी है, लेकिन जाते हुए कुछ हिस्सों में राहत की फुहारें बरसाते हुए जा रहा है। राज्य मौसम

अखिलेश यादव-प्रियंका गांधी ने नहीं की मदद, चंद्रशेखर मामले में रोहिणी घावरी का दावा

(एजेंसी)।

नगीना से सांसद और आजाद समाज पार्टी काशीराम के संस्थापक चंद्रशेखर पर आरोप लगाने वाले इंदौर की रोहिणी घावरी ने उन्हें लेकर कुछ और फोटो-वीडियो सोशल मीडिया पर डाले। जिसके बाद से दोनों का मामला एक बार फिर चर्चा में है। इसे लेकर रोहिणी से वनइंडिया ने एक्सक्लूसिव बातचीत की जिसमें उन्होंने दिल्ली पुलिस की बेरुखी, चंद्रशेखर पर आरोप और कोर्ट से मिली निराशा पर खुलकर बात की।

चंद्रशेखर और शराब

रोहिणी ने दावा किया कि चंद्रशेखर शराब का सेवन करते हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाए कि चंद्रशेखर ने दूसरी लड़कियों का भी शोषण किया है। उन्होंने कहा कि सांसद आंदोलन के नाम पर लोगों को ठग रहे हैं और समाज से जुड़े युवाओं को भटकाने का काम कर रहे हैं।

दिल्ली पुलिस से मिली निराशा

बकौल रोहिणी, वह 6 अगस्त 2025 को स्विट्जरलैंड से भारत आई थी। इस दौरान उन्होंने दिल्ली के तत्कालीन कमिश्नर संजय अरोड़ा से मुलाकात की। कमिश्नर ने उन्हें

ऋक्क दर्ज कराने का आश्वासन भी दिया। इसके बाद मामला एयरपोर्ट पुलिस स्टेशन पर भेजा गया। तमाम कोशिशों और मुलाकातों के बावजूद ऋक्क दर्ज नहीं हो सकी।

ठउह ने भी धोखा दिया

महिलाओं की सुरक्षा करने वाली संस्था नेशनल कमीशन ऑफ वूमन पर भी रोहिणी ने आरोप लगाते हुए कहा कि- '3 महीने से ज्यादा का वक्त बीत जाने के बावजूद ठउह ने मामले पर कोई संज्ञान नहीं लिया। न ही उन्होंने दिल्ली पुलिस पर FIR करने का दबाव डाला और न ही मुझे बताया कि अब इसमें अपडेट क्या है? कई प्रयासों के बावजूद निराशा ही हाथ लगी है।'

कोर्ट से भी नहीं मिली मदद- रोहिणी

रोहिणी ने बताया कि जब कहीं से उन्हें न्याय की उम्मीद नहीं दिखी तो उन्होंने आखिरी में कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। लेकिन महीना बीत जाने के बाद भी कोर्ट ने न तो पुलिस को जांच के आदेश दिए और न ही ऋक्क करने जैसी कोई बात कही। मामला कहां तक पहुंचा कोई नहीं जानता।

'अखिलेश यादव-प्रियंका गांधी ने नहीं की मदद'

रोहिणी को जब पुलिस, कोर्ट और NCW से कोई मदद या न्याय की उम्मीद नहीं दिखी तो उन्होने विपक्षी नेताओं से मदद मांगने के बारे में सोचा। इसके लिए उन्होंने प्रियंका गांधी तक अपनी फाइल पहुंचाई। प्रियंका गांधी के ऑफिस से उन्हें आगे जवाब आना बंद हो गए। जिसके बाद उन्होंने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और सांसद अखिलेश यादव से मदद मांगी। शुरूआत में उन्हें आश्वसन मिले तो लगा कि FIR दर्ज हो जाएगी। लेकिन कुछ समय के बाद यहां से भी उन्हें रिस्पॉन्स मिलना बंद हो गया।

सम्पादकीय

यूएन में विदेश मंत्री ने पाक की आतंकी असलियत दिखाई

विदेश मंत्री जयशंकर का संयुक्त राष्ट्र महासभा में दिया गया भाषण संयमित, सारगर्भित और प्रोरणादायक था। सबसे पहले तो उन्होंने संयुक्त राष्ट्र संघ को ही आइना दिखाया कि वह 80 वर्ष पहले जब अस्तित्व में आया था तो उसका क्या उद्देश्य था और आज वह क्या हो गया है। विश्व शांति और समानता के लिए बनी यह वैश्विक संस्था निर्थक साबित हो रही है। दुनिया भर में संघर्ष और विनाश की महालीला दिख रही है किन्तु संयुक्त राष्ट्र संघ मूक दर्शक बना हुआ है। विदेश मंत्री जयशंकर ने अपने पूरे भाषण में इंडिया के स्थान पर 'भारत' शब्द का प्रायोग किया। अंग्रोजी भाषा में दिए अपने भाषण में उन्होंने संयुक्त राष्ट्र संघ पर दोहरे मानदंड अपनाने का आरोप लगाया और स्पष्ट किया कि जब तक दुनिया के हर क्षेत्र को वह भूमिका नहीं देता तब तक वह अपनी भूमिका प्राभावशाली एवं निष्पक्षता से नहीं निभा सकता। विदेश मंत्री जयशंकर ने किसी देश का नाम लिए बिना ही पहलगाम में हुए अप्रौल के आतंकी घटना का उल्लेख किया और कहा यदि कोई देश आतंकवाद का एपिक सेंटर बना हुआ है जिसके नागरिक दुनिया के हर आतंकी घटना के लिए जिम्मेदार पाए जाते हैं, वह देश आतंकवाद को अपनी राष्ट्रीय नीति मानता हो, वह आतंकी प्राशिक्षण को औद्योगिक कौशल विकास के रूप में मान्यता देता हो, वह आतंकियों का सार्वजनिक रूप से महिमामंडन करता हो तो वहां से सबसे ज्यादा आतंकियों का पाया जाना स्वाभाविक है। किन्तु इस तरह की आतंकी घटनाओं के विरुद्ध संयुक्त राष्ट्र की भूमिका न हो पाना निाित रूप से दुर्भाग्यपूर्ण है। विदेश मंत्री जयशंकर ने अपने उद्बोधन में स्थाई पांच सदस्यों की भूमिकाओं पर भी सवाल खड़ा करते हुए दो टूक कहा कि संयुक्त राष्ट्र के ज्यादातर सदस्य देश इसके बदलाव के पक्ष में हैं। उन्होंने भारत के साथ ही ग्लोबल साउथ के प्रातिनिधित्व की बात भी किया। किन्तु सबसे बड़ी बात है कि विदेश मंत्री ने दावे के साथ यह स्वीकार किया कि संयुक्त राष्ट्र संघ के साथ मिलकर दुनिया की शांति एवं समृद्धि के लिए कार्य करना उसकी जिम्मेदारी और कर्तव्य दोनों है। अपने संक्षिप्त भाषण में उन्होंने सभी देशों का नाम भले ही नहीं गिनाया किन्तु इतना जरूर बताया कि भारत ने 19 देशों में आई प्रावृतिक आपदा की मदद की और साउथ सूडान, गोलान हाइट्स और सोमालिया में पीस कीपिग फोर्स के साथ मिलकर संयुक्त राष्ट्र के साथ काम भी कर रहे हैं। उनका यह कहना कि भारत विश्व के साथ मिलकर डिजिटल, इन्फाम्रेशन टेक्नालाजी और जलवायु के क्षेत्र में काम करने को तैयार है, भारत की क्षमता और सामर्थ्यं का विश्व मंच से संदेश देना है। विदेश मंत्री के भाषण का अंतिम पक्ष था उसका संकल्प। श्री जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र के इस वैश्विक मंच पर घोषणा की कि उसके तीन संकल्प हैं— आत्मनिर्भरता यानि सेल्फ रिलायंस, आत्मरक्षा यानि सेल्फ डिपेंस और आत्मविश्वास यानि सेल्फ कांफीडेंस। विदेश मंत्री ने किसी देश पर कटाक्ष किए बिना स्पष्ट किया कि भारत कई क्षेत्रों में आत्मनिर्भर हो चुका है और कई अन्य क्षेत्रों में आत्मनिर्भर होने के करीब पहुंच चुका है। अपने दूसरे संकल्प यानि आत्मरक्षा का भी उल्लेख और विश्लेषण करते हुए दो टूक कहा कि भारत पर किसी देश का चाहे जो भी हमला हो, भारत आत्मरक्षा के लिए पूरी तरह स्वतंत्र है। हमले का जवाब दिए जाने को अपना स्वाभाविक अधिकार और कर्तव्य दोनों बताकर यह स्पष्ट कर दिया कि अब भारत आत्मरक्षा के लिए किसी की अनुमति या इच्छा के खूंटे में बंधा नहीं रह सकता। तीसरा संकल्प आत्मविश्वास की बात भी बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत दुनिया को न सिर्प बता चुका है बल्कि इस बात को साबित भी कर चुका है कि उसके पास 'चुनाव यानि च्वायस' का अधिकार है। कोई भी देश भारत को क्या करना है अथवा क्या नहीं करना है का निर्देश नहीं दे सकता। भारत वही करेगा जो उसके हित में है। विदेश मंत्री के इतने संकेत को संदेश समझकर उन देशों को समझ लेना चाहिए कि भारत किसी भी देश की इच्छा या अनिच्छा से नहीं बल्कि हित या अहित को ध्यान में रखकर ही पैसले भी लेता है, नीतियों का निरन्तर नवीनीकरण भी करता रहता है।

दशहरा पर इन व्यंजनों को घर पर जरूर बनाएं, उत्सव के माहौल को करें 'चटपटा'

(जीएनएस)।

भारत एक ऐसा देश है जहां त्योहार केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं होते, बल्कि परिवार और समाज को जोड़ने का माध्यम भी बनते हैं। नवरात्रि और दशहरा का पर्व शक्ति की उपासना, अच्छाई की बुराई पर जीत और नए संकल्पों का प्रतीक है।

2 अक्टूबर 2025 को मनाया जाएगा दशहरा

इस बार दशहरा का पर्व आगामी 2 अक्टूबर 2025 को मनाया जाएगा। इस दिन घर-घर में विशेष पकवान बनाए जाते हैं और परिवार व मित्रों के साथ मिलकर इन्हें बांटकर खाने का आनंद लिया जाता है।

घर-परिवार और रिश्तों में मिठास घोलने वाला पर्व

दशहरा केवल रावण दहन का पर्व नहीं है, बल्कि ये घर-परिवार और रिश्तों में मिठास घोलने का भी अवसर है। इन व्यंजनों को मिलकर पकाना और साथ बैठकर खाना, रिश्तों को और मजबूत बनाता है। इस बार दशहरा पर कुछ स्वादिष्ट व्यंजनों को अपने घर पर जरूर बनाएं और परिवार संग त्योहार का आनंद दोगुना करें।

दशहरे पर घर जरूर बनाएं ये 6 खास व्यंजन

1. पूड़ी और आलू की सब्जी

दशहरा हो और गरमा-गरम पूड़ी और आलू की सब्जी का जिक्र न हो, ये संभव ही नहीं है। गेहूं के आटे से बनी सुनहरी और फूली-फूली पूड़ियां जब मसालेदार आलू की सब्जी के साथ खाई जाती हैं तो त्योहार का स्वाद दोगुना हो जाता है। ये कॉम्बिनेशन हर उम्र के लोगों को पसंद आता है और पूजा के बाद प्रसाद के रूप में भी बांटा जाता है।

2. खीर

त्योहारों पर खीर का अपना ही महत्व है। चावल, दूध और चीनी से बनने वाली ये मिठाई बेहद सरल होते हुए भी हर अवसर को खास बना देती है। कुछ लोग इसमें इलायची और

केसर डालकर इसे और भी स्वादिष्ट बना देते हैं। इसमें नारियल और गुड़ का इस्तेमाल भी किया जाता है।

3. कचौड़ी और चटनी

दशहरा के दिन कई घरों में कचौड़ी बनाने की परंपरा है। दाल या आलू से भरी हुई कुरकुरी कचौड़ियां जब इमली या धनिया-पुदीने की चटनी के साथ परोसी जाती हैं, तो स्वाद भूलाए नहीं भूलता। ये व्यंजन खासकर परिवार और दोस्तों की बड़ी बैठकों में खूब पसंद किया जाता है।

4. हलवा

सूजी या बेसन का हलवा दशहरा के मौके पर बनाना शुभ माना जाता है। हलवे का मीठा स्वाद और घी की सुगंध पूरे घर को त्योहार की उमंग से भर देती है। बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक सभी इसे शौक से खाते हैं। कई जगह पूजा के प्रसाद के रूप में भी हलवे को परोसा जाता है।

5. दही बड़े

त्योहार के भारी-भरकम खाने के बीच अगर कुछ हल्का-फुल्का और चटपटा चाहिए तो दही बड़े बेहतरीन विकल्प हैं। नरम दाल के बड़े जब मीठे दही, मसालों और मीठी-खट्टी चटनी के साथ परोसे जाते हैं, तो उनका स्वाद जीभ पर देर तक बना रहता है।

6. गुड़-तिल के लड्डू

हालांकि तिल के लड्डू अधिकतर मकर संक्रांति से जुड़े हैं, लेकिन दशहरा पर भी इन्हें खाना शुभ माना जाता है। गुड़ और तिल से बने ये लड्डू एनर्जी और स्वास्थ्य दोनों के लिए अच्छे होते हैं। पूजा के बाद इन्हें प्रसाद के रूप में बांटा भी जा सकता है।

7. समोसा और पकौड़े

त्योहारों पर स्नैक्स की भी अपनी अहमियत होती है। आलू से भरे कुरकुरे समोसे और गरमा-गरम पकौड़े शाम की चाय के साथ माहौल को और खुशनुमा बना देते हैं। हरी चटनी के साथ परोसे जाने पर ये मेहमानों की प्लेट की शान बन जाते हैं।

8. पान और मिठाई

त्योहार का समापन मीठे के बिना अधूरा है। दशहरा पर कई घरों में विशेष मिठाइयां जैसे रसगुल्ला, गुलाब जामुन या लड्डू बनाए जाते हैं। वहीं पान को भोजन के बाद खाने की परंपरा कई जगह देखने को मिलती है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल घाटलोडिया विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गरबा महोत्सवों में उपस्थित रहे

मुख्यमंत्री ने शीलज, एसपी रिंग रोड और शेला क्षेत्र के विभिन्न गरबा आयोजनों में मौजूद रहकर खेलैयाओं का उत्साह बढ़ाया

गांधीनगर, 29 सितंबर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल नवरात्रि के सातवें दिन अहमदाबाद के घाटलोडिया विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गरबा आयोजनों में उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने शीलज, एस.पी. रिंग रोड और शेला क्षेत्र में आयोजित विभिन्न गरबा महोत्सवों में उपस्थित रहकर खेलैयाओं का अभिवादन स्वीकार करते हुए उनका उत्साह बढ़ाया।

मुख्यमंत्री ने विभिन्न गरबा महोत्सवों में माताजी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस अवसर पर शहर भाजपा अध्यक्ष श्री प्रेरकभाई शाह, कई पदाधिकारी और पार्षदों सहित अन्य महानुभाव मौजूद रहे।

मोहसिन नकवी : जिनके हाथ से भारतीय टीम ने नहीं ली एशिया की ट्रॉफी, क्या करते हैं काम

(जीएनएस)।

एशिया कप 2025 का फाइनल मैच भारत और पाकिस्तान के बीच खेला गया। मैदान पर टीम इंडिया ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान को पांच विकेट से हराकर खिताब जीत लिया। लेकिन मैच खत्म होने के बाद जो नजारा देखने को मिला, उसने सबको हैरान कर दिया। भारतीय टीम ने न सिर्फ पुरस्कार वितरण समारोह से दूरी बना ली, बल्कि एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अध्यक्ष और पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से भी साफ इनकार कर दिया।

यह क्रिकेट इतिहास का शायद पहला मौका था जब विजेता टीम ने मंच पर जाकर ट्रॉफी नहीं उठाई। सवाल यही उठने लगे-आखिर कौन हैं मोहसिन नकवी, जिनसे भारतीय खिलाड़ियों ने इतना बड़ा कदम उठाकर दूरी बनाई? आइए जानते हैं उनकी पूरी कहानी।

मोहसिन नकवी का नाम पाकिस्तान की राजनीति और क्रिकेट दोनों में बेहद असरदार माना जाता है। वे पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) के चेयरमैन हैं। अप्रैल 2025 से एशियाई क्रिकेट परिषद (ACC) के अध्यक्ष बने हैं। साथ ही पाकिस्तान सरकार में गृह और नारकोटिक्स कंट्रोल मंत्री का अहम पद संभाल रहे हैं। यानि नकवी एक साथ राजनीति, खेल और प्रशासन तीनों जगह अपनी पकड़ बनाए हुए हैं। यही वजह है कि भारतीय टीम

का उनका विरोध अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी बहस बन गया।

नकवी पाकिस्तान में लंबे समय से भारत विरोधी रुख के लिए चर्चित रहे हैं। क्रिकेट में भी उनके कई बयानों ने विवाद खड़ा किया। ऐसे में जब अउउ के अध्यक्ष के तौर पर उन्हें भारतीय टीम को ट्रॉफी देनी थी, खिलाड़ियों ने पहले ही यह फैसला ले लिया था कि वे उनके हाथ से कप नहीं उठाएंगे।

मोहसिन नकवी पढ़ाई

28 अक्टूबर 1978 को लाहौर में जन्मे मोहसिन नकवी एक पंजाबी सैयद परिवार से ताल्लुक रखते हैं। बचपन में ही अनाथ हो गए थे और उनकी परवरिश मामा ने की। शुरूआती पढ़ाई क्रिसेंट मॉडल स्कूल लाहौर से की। इसके बाद सरकारी कॉलेज विश्वविद्यालय से शिक्षा ली।

उच्च शिक्षा के लिए वे अमेरिका गए और ओहायो यूनिवर्सिटी से पत्रकारिता की डिग्री हासिल की। यही शिक्षा आगे चलकर उनकी मीडिया और राजनीतिक करियर की नींव बनी।

CNN से लेकर मीडिया साम्राज्य तक

नकवी ने करियर की शुरूआत अमेरिकी न्यूज चैनल उठठ में बतौर इंटर्न की। 9/11 हमले के बाद उन्हें साउथ एशिया का रीजनल हेड बनाया गया। 2009 में उन्होंने पाकिस्तान में सिटी न्यूज नेटवर्क की नींव रखी। एक अखबार और ब्रिटेन से प्रसारित होने वाला चैनल उ44 भी इनके मीडिया ग्रुप का हिस्सा है। आज यह नेटवर्क पाकिस्तान के बड़े मीडिया हाउस में गिना जाता है।

विवादों से गहरा रिश्ता

नकवी का करियर हमेशा विवादों से घिरा रहा है। 2009 में उन पर 9 अरब रुपये के फ्रॉड मामले में रिश्वत लेने का आरोप लगा। पंजाब के कार्यवाहक मुख्यमंत्री रहते हुए उन्हें विपक्षी पार्टियों ने पक्षपात और गैरकानूनी नियुक्तियों का दोषी बताया। चुनाव आयोग से लेकर अदालतों तक, नकवी कई बार कानूनी पचड़ों में फंस चुके हैं। इसके बावजूद उनकी पकड़ इतनी मजबूत है कि वे लगातार ऊंचे पदों पर पहुंचते गए।

महागठबंधन में कब तक सीट शेयरिंग, कौन कितनी सीटों पर लड़ेगा? कांग्रेस के 40 उम्मीदवार फाइनल

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की आहट तेज हो गई है। चुनाव आयोग कभी भी तारीखों का ऐलान कर सकता है। ऐसे में महागठबंधन और एनडीए दोनों खेमों में सीट शेयरिंग को लेकर जोरदार हलचल मची हुई है। खासकर महागठबंधन (फखऊ कांग्रेस, वामदल, वीआईपी और अन्य सहयोगी) में चर्चा अपने चरम पर है।

महागठबंधन के अहम साथी और वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी ने संकेत दिया है कि सीट बंटवारे की घोषणा दशहरे तक हो जाएगी। यानी 2 अक्टूबर तक सीट शेयरिंग पर ऐलान की संभावना है। मुकेश सहनी ने कहा, "गठबंधन में कोई दिक्कत नहीं है, सबकुछ ठीक-ठाक है। उम्मीद है कि दशहरे पर हमलोग आपको बता देंगे कि कौन कितनी सीट पर लड़ेगा।"

इस बयान से साफ है कि पार्टियां आंतरिक मंथन लगभग पूरा कर चुकी हैं और जल्द ही औपचारिक ऐलान हो सकता है। ऐसे में आइए समझते हैं महागठबंधन के खिलाड़ी कितने सीटों पर चुनाव लड़ेंगे।

● कांग्रेस ने फाइनल कर लिए 40 उम्मीदवार

जहां एक ओर महागठबंधन में औपचारिक सीट शेयरिंग का इंतजार है, वहीं कांग्रेस ने अपने हिस्से की तैयारियां तेज कर दी हैं। पार्टी ने दिल्ली में हुई मैराथन बैठक में 40 सीटों पर उम्मीदवारों के नाम लगभग फाइनल कर दिए हैं। सूत्रों के मुताबिक, इन सीटों में कांग्रेस के मौजूदा 19 विधायकों की सीटें भी शामिल हैं।

इसके अलावा पार्टी उन सीटों पर भी फोकस कर रही है जहां 2020 में वह दूसरे स्थान पर रही थी या फिर जिन्हें वह अपनी पारंपरिक सीट मानती है। कांग्रेस इस बार कई नए चेहरों को मौका देने के मूड में है। जिन विधायकों पर अपने क्षेत्र में एंटी-इनकंबेंसी है, वहां बदलाव की संभावना है।

● मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक

महागठबंधन में छोटे दलों को एडजस्ट करने के लिए राजद और कांग्रेस दोनों अपनी सीटें कम कर सकते हैं। फखऊ को 2020 में 144 सीटें मिली थीं, लेकिन इस बार वह 130 सीटों तक सीमित रह सकती है। कांग्रेस ने 2020 में 70 सीटों पर चुनाव लड़ा था, लेकिन इस बार माना जा रहा है कि वह करीब 58 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। इन सीटों को घटाने के पीछे मकसद है-नए सहयोगियों को जगह देना और वामदलों को मजबूती देना।

●

महागठबंधन के भीतर वामपंथी दलों की भूमिका भी अहम मानी जा रही है। CPI(ML) ने इस बार 40 सीटों की मांग कर दी है। 2020 में उसने 19 सीटों पर चुनाव लड़ा था और 12 जीते थे। हालांकि सूत्रों के मुताबिक, उसे इस बार करीब 27 सीटें मिल सकती हैं। वहीं, CPI और CPM को उनकी पुरानी 6 और 4 सीटें बरकरार रखी जाएंगी।

● नए सहयोगियों का दबदबा

महागठबंधन में इस बार तीन नए सहयोगियों की एंट्री हुई है-वीआईपी, झारखंड मुक्ति मोर्चा (JMM) और पशुपति पारस की LJP (रामविलास)। वीआईपी को करीब 14 सीटें मिलने की संभावना है।

22 या 23 अक्टूबर, कब है भाई दूज? सही तारीख, शुभ मुहूर्त और परंपराएं

(जीएनएस)।

भाई-बहन के अटूट रिश्ते का प्रतीक भाई दूज 2025 में 23 अक्टूबर को मनाया जाएगा। यह पवित्र त्योहार, जो दिवाली के पांच दिवसीय उत्सव के समापन का हिस्सा है, भाई-बहन के बीच प्रेम, विश्वास और एक-दूसरे के लिए दुआओं का उत्सव है।

इस दिन बहनें अपने भाइयों की लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना करती हैं, जबकि भाई अपनी बहनों को प्यार और सम्मान के साथ उपहार देते हैं। आइए, जानते हैं भाई दूज 2025 की सही तारीख, शुभ मुहूर्त और इस त्योहार की खासियतें...

द्रिक पंचांग के अनुसार, भाई दूज 2025 गुरुवार, 23 अक्टूबर को मनाया जाएगा। यह त्योहार कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को पड़ता है, जो दिवाली के ठीक दो दिन बाद आता है। द्वितीया तिथि 22 अक्टूबर 2025 को रात 8:16 बजे शुरू होगी और 23 अक्टूबर 2025 को रात 10:46 बजे समाप्त होगी। इस कारण 23 अक्टूबर को भाई दूज का मुख्य उत्सव होगा।

भाई दूज, जिसे भाऊ बीज, भैया दूज या यम द्वितीया भी कहते हैं, भाई-बहन के रिश्ते को मजबूत करने वाला

एक खास पर्व है। पौराणिक कथा के अनुसार, इस दिन मृत्यु के देवता यमराज अपनी बहन यमुना से मिलने आए थे। यमुना ने उनका तिलक लगाकर स्वागत किया और प्रेमपूर्वक भोजन कराया। प्रसन्न होकर यमराज ने यमुना को आशीर्वाद दिया कि जो भाई इस दिन अपनी बहन के घर जाकर तिलक करवाएगा, उसकी अकाल मृत्यु नहीं होगी। तब से यह परंपरा चली आ रही है, जिसमें बहनें अपने भाइयों की लंबी आयु और सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना करती हैं।

भाई दूज के अनुष्ठान के लिए सबसे शुभ समय अपराह्न काल माना जाता है। 23 अक्टूबर 2025 को दोपहर 1:13 बजे से 3:28 बजे तक का समय तिलक और पूजा के लिए आदर्श है। इस दौरान बहनें अपने भाइयों का तिलक करती हैं और उनकी सलामती की दुआ मांगती हैं।

महत्वपूर्ण समयः

द्वितीया तिथि शुरूः 22 अक्टूबर 2025, रात 8:16 बजे

द्वितीया तिथि समाप्तः 23 अक्टूबर 2025, रात 10:46 बजे

तिलक का शुभ मुहूर्तः 23 अक्टूबर 2025, दोपहर 1:13 बजे से 3:28 बजे तक

भाई दूज मनाने की विधि

भाई दूज का त्योहार प्रेम और परंपराओं का अनूठा संगम है। इसे मनाने की प्रमुख रस्में इस तरह हैंः-

तिलक की थाली तैयार करेंः एक थाली में रोली, चंदन, चावल, मिठाई और दीया सजाएँ।

तिलक समारोहः बहन अपने भाई के माथे पर तिलक लगाए, आरती उतारे और उनकी लंबी उम्र की कामना करे।

उपहार और भोजनः भाई अपनी बहन को उपहार देता है, और परिवार एक साथ उत्सव का भोजन करता है।

कौन हैं महात्मा गांधी के परपोते? महाराष्ट्र में आखिर किसके समर्थन में 2 अक्टूबर से पहले शुरू की पदयात्रा

(जीएनएस)।

महात्मा गांधी के परपोते तुषार गांधी ने 29 सितंबर को नागपुर से 'संविधान सत्याग्रह पदयात्रा' का शुभारंभ किया। यह पदयात्रा 2 अक्टूबर को वर्धा स्थित सेवाग्राम आश्रम में संपन्न होगी। इस पहल का मुख्य उद्देश्य देश में एकता, शांति और संविधान की गरिमा को बनाए रखने का संदेश प्रसारित करना है।

इस पदयात्रा के दौरान, तुषार गांधी ने वर्तमान सामाजिक और राजनीतिक परिदृश्य में फैल रही घृणा के विरुद्ध प्रेम का संदेश दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यदि समाज में नफरत बढ़ेगी, तो यह देश की एकता के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न कर सकती है। इसलिए, यह यात्रा संविधान को सशक्त बनाने और महात्मा गांधी के सत्य व अहिंसा के सिद्धांतों को पुनर्जीवित करने के लिए महत्वपूर्ण है।

29 सितंबर को शुरू हुई 'संविधान सत्याग्रह पदयात्रा' 2 अक्टूबर तक जारी रहेगी, जो नागपुर से वर्धा के सेवाग्राम आश्रम तक जाएगी। तुषार गांधी के नेतृत्व में यह यात्रा देश भर के युवाओं और सामाजिक कार्यकताओं को एक मंच पर लाने का प्रयास कर रही है। इसका लक्ष्य प्रतिभागियों को संविधान के मूल सिद्धांतों, शांति, प्रेम और अहिंसा का संदेश देना है, साथ ही राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने पर भी जोर देना है।

महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने इस पदयात्रा को अपना समर्थन देते हुए कहा कि यह मार्च आरएसएस और उसके सहयोगी संगठनों द्वारा फैलाए जा रहे भेदभाव और छुआछूत की विचारधारा को चुनौती देता है। उनका मानना है कि यह आंदोलन सभी भारतीयों को संविधान और समानता के सिद्धांतों से जोड़ेगा, जिससे सामाजिक सौहार्द बढ़ेगा और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा होगी।

महात्मा गांधी के प्रपौत्र तुषार गांधी का जन्म 17 जनवरी 1960 को हुआ था। वे महात्मा गांधी के पोते मणिलाल गांधी की परंपरा से हैं, न कि उनके पोते अरुण गांधी के पुत्र। उनके माता-पिता अरुण गांधी और सुनंदा गांधी हैं। तुषार गांधी एक लेखक, सामाजिक कार्यकर्ता और गांधीवादी विचारों के सक्रिय प्रचारक हैं। उन्होंने "महात्मा गांधी फाउंडेशन" की स्थापना की है और उसे संचालित भी करते हैं। इसके अतिरिक्त, वे लोक सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष का पद भी संभाल रहे हैं।

तुषार गांधी किसी भी प्रमुख राजनीतिक दल में सक्रिय नेता के तौर पर शामिल नहीं हैं। हालांकि, उनके सार्वजनिक व्यवहार, बयानों और गतिविधियों से स्पष्ट होता है कि वे गांधीवादी सिद्धांतों, धर्मनिरपेक्षता और सांप्रदायिक सद्भाव की विचारधारा का समर्थन करते हैं।

'40 दिन में 13 होटल बदले, साधुओं के आश्रमों में छिपा', गिरफ्तार चैतन्यानंद सरस्वती ने कैसे पुलिस को चकमा दिया?

(जीएनएस)।

दिल्ली के एक निजी संस्थान में 17 छात्राओं के कथित यौन उत्पीड़न के आरोपी स्वयंभू बाबा चैतन्यानंद सरस्वती की चौंकाने वाली हरकतें सामने आई हैं। जांच में खुलासा हुआ कि वह गिरफ्तारी से बचने के लिए 40 दिनों में 13 होटल बदल चुका था और मथुरा-वृंदावन के साधुओं के आश्रमों में शरण लेता रहा।

जुलाई में विदेश में रहने के बाद चैतन्यानंद 6 अगस्त 2025 को भारत लौटा। 4 अगस्त को दिल्ली में उसके खिलाफ यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज होने के बाद वह फरार हो गया। दिल्ली पुलिस ने कई टीमें गठित कीं और उसे देश से भागने से रोकने के लिए लुकआउट सर्कुलर (LOC) जारी किया। आखिरकार, आगरा के एक होटल से 29 सितंबर 2025 को सुबह 3:30 बजे उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

छिपने की चालाकी

जांचकताओं के अनुसार, चैतन्यानंद ने गिरफ्तारी से बचने के लिए कम प्रोफाइल वाले बजट होटलों का सहारा लिया, जहां सीसीटीवी और सख्त पहचान जांच की सुविधा नहीं थी। वह अपने तीन मोबाइल फोन और आईपैड का इस्तेमाल नहीं करता था, ताकि ट्रैकिंग से बचा जा सके। इसके बजाय, वह अपने सहयोगी के फोन से होटल बुक करता था। मथुरा और वृंदावन के आश्रमों में भी उसने साधुओं के साथ समय बिताया।

जांच में चौंकाने वाले खुलासे

फर्जी दावेः चैतन्यानंद और उसके सहयोगियों ने झूठा दावा किया कि उनका प्रधानमंत्री कार्यालय (PMO) से संबंध है, जिससे उन्हें समर्थन मिलता रहा।

फर्जी पहचानः पुलिस ने उसके पास से फर्जी विजिटिंग कार्ड बरामद किए, जिनमें वह खुद को संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक परिषद (ECOSOC) का स्थायी राजदूत, ब्रिक्स आयोग का सदस्य और भारतीय विशेष दूत बताता था। साथ ही, उसके पास दो फर्जी पासपोर्ट भी मिले-एक स्वामी पार्थ सारथी और दूसरा स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती के नाम से।

छात्राओं का उत्पीड़नः शिकायत में आरोप है कि उसने आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) की छात्राओं को निशाना बनाया। उसकी तीन महिला सहयोगियों ने छात्राओं को धमकाया और अश्लील संदेश डिलीट करने के लिए कहा।

जांच में बाधाः पूछताछ में उसने सांस लेने में तकलीफ का बहाना बनाया और अपने डिवाइस के पासवर्ड साझा करने से मना कर दिया।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

रेल टिकट रिजर्वेशन के लिए यात्री का मोबाइल नंबर अनिवार्य

यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेलवे बोर्ड ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अब रेल टिकट आरक्षण (Reservation) कराते समय यात्रियों के लिए अपना मोबाइल नंबर देना अनिवार्य होगा।

भावनगर रेलवे मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी ने जानकारी देते हुए बताया कि मोबाइल नंबर उपलब्ध कराने से यात्रियों को कई तरह की सहूलियत होगी। यात्रियों को मोबाइल संदेश (SMS) के माध्यम से चार्ट बनने से पहले की स्थिति तथा चार्ट बन जाने के बाद की स्थिति की जानकारी तुरंत मिल जाएगी। इससे उन्हें समय रहते अपने आरक्षित कोच और सीट की जानकारी प्राप्त हो सकेगी।

रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों को आरक्षण फार्म भरते समय मोबाइल नंबर लिखना अनिवार्य किया गया है। इसके लिए स्टेशनों पर उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से नियमित रूप से जानकारी दी जा रही है। साथ ही बुकिंग क्लर्कों को भी यह निर्देश दिए गए हैं कि टिकट बनाते समय यात्री का मोबाइल नंबर सिस्टम में दर्ज करें और यात्रियों को मोबाइल नंबर देने हेतु प्रेरित करें।

यह कदम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा प्रदान करने की दिशा में एक अहम पहल है।

पश्चिम रेलवे द्वारा मुंबई सेंट्रल एवं इंदौर के बीच स्पेशल ट्रेन के फेरे विस्तारित

मुंबई,

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा विशेष तौर पर त्योहारी सीजन के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से मुंबई सेंट्रल एवं इंदौर स्टेशनों के बीच विशेष किराए पर स्पेशल ट्रेन के फेरों को विस्तारित किया गया है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस ट्रेन का विवरण इस प्रकार हैः

ट्रेन संख्या 09085/09086 मुंबई सेंट्रल-इंदौर (त्रि-साप्ताहिक) स्पेशलः

ट्रेन संख्या 09085 मुंबई सेंट्रल-इंदौर स्पेशल ट्रेन प्रत्येक सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को मुंबई सेंट्रल से 23.20 बजे प्रस्थान करती है और अगले दिन 13.00 बजे इंदौर पहुँचती है। इस ट्रेन के फेरों को 01 अक्टूबर से 28 नवंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09086 इंदौर-मुंबई सेंट्रल स्पेशल ट्रेन प्रत्येक मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को इंदौर से 17.00 बजे प्रस्थान करती है और अगले दिन 07.10 बजे मुंबई सेंट्रल पहुँचती है। इस ट्रेन के फेरों को 2 अक्टूबर से 29 नवंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, वडोदरा, दाहोद, रतलाम और उज्जैन स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में फर्स्ट एसी, एसी 2-टियर और एसी 3-टियर कोच हैं।

ट्रेन संख्या की 09085 एवं 09086 के विस्तारित फेरों की बुकिंग 30 सितंबर, 2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

पश्चिम रेलवे ने जीता प्रतिष्ठित कौल गोल्ड कप

मुंबई,

पश्चिम रेलवे ने वर्ष 2024-25 के लिए प्रतिष्ठित कौल गोल्ड कप जीत लिया है। यह कप भारतीय रेल पर खेल जगत में समग्र वर्चस्व का प्रतीक है। यह उल्लेखनीय उपलब्धि खेल के क्षेत्र में पश्चिम रेलवे के प्रभुत्व और उत्कृष्टता के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दशार्ती है। पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता ने इस उल्लेखनीय उपलब्धि को प्राप्त करने के लिए सभी खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की।

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता, वेस्टर्न रेलवे स्पोर्ट्स एसोसिएशन (हफ्रअ) के अध्यक्ष श्री वी. ए. मालेगांवकर, वरिष्ठ अधिकारी एवं खिलाड़ी, प्रतिष्ठित कौल गोल्ड कप के साथ दिखाई दे रहे हैं।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पश्चिम रेलवे के खिलाड़ियों ने विभिन्न खेल स्पधाओं में भाग लिया और संगठन का नाम रोशन किया है। पश्चिम रेलवे की प्रतिभाशाली पहलवान सुश्री अंतिम ने हाल ही में क्रोएशिया के जाग्रेब में आयोजित सीनियर विश्व कुश्ती चैंपियनशिप 2025 में भारत का प्रतिनिधित्व किया और 53 किलोग्राम वर्ग में कांस्य पदक जीता। इस टूनामेंट में पश्चिम रेलवे के कर्मचारी एवं वरिष्ठ रेफरी श्री सत्यदेव मलिक ने निर्णायक की भूमिका निभाते हुए अपनी विशेषज्ञता और सतर्क पर्यवेक्षण से चैंपियनशिप को सफल बनाने में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया।

श्री विनीत ने आगे बताया कि पश्चिम रेलवे ने अगस्त, 2025 में जयपुर में आयोजित 71वीं अखिल भारतीय अंतर-रेलवे टेबल टेनिस (पुरुष एवं महिला) चैम्पियनशिप 2025-26 में भी विजय का जश्न मनाया। पश्चिम रेलवे की शीर्ष टेबल टेनिस खिलाड़ी सुश्री अनुषा कुटुम्बले ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। पश्चिम रेलवे की महिला टेबल टेनिस टीम ने भी अपनी छाप छोड़ते हुए टूनामेंट में स्वर्ण पदक हासिल किया।

महाप्रबंधक श्री गुप्ता ने विजेताओं को उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए बधाई दी। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को अपने-अपने खेलों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने और संस्थान के साथ-साथ देश का नाम रोशन करने के लिए शुभकामनाएं भी दीं।

रेलवे सुरक्षा बल, वडोदरा मंडल द्वारा यात्री सामान की चोरी करने वालो की गिरफ्तारी

दिनांक 25.09.2025 एवं 26.09.2025 को वडोदरा मंडल के अंतर्गत चलाए गए विशेष गुप्त निगरानी अभियान के दौरान मोबाइल चोरी करने वाले दो व्यक्तियों को पकड़ा गया।

दिनांक 25.09.2025 को निरीक्षक वडोदरा पोस्ट के निर्देशन में उप निरीक्षक निशा मीणा एवं पोस्ट की TOPB टीम के हेड कांस्टेबल लालुभा तथा कांस्टेबल मनजीत कुमार द्वारा वडोदरा स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या 06 पर गुप्त निगरानी के दौरान एक संदिग्ध बाहरी व्यक्ति को भागते हुए पकड़ा गया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक VIVO 19 5G मोबाइल फोन (अनुमानित किमत₹12,000/-)बरामद हुआ। पूछताछ में उसने ट्रेन से किसी यात्री का मोबाइल चोरी करना स्वीकार किया। आरोपी को बरामद मोबाइल फोन सहित अग्रिम कार्यवाही हेतु जीआरपी/वडोदरा को सुपुर्द किया गया, जहां उसके विरुद्ध मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ की गई।

इसी प्रकार दिनांक 26.09.2025 को निरीक्षक भरूच पोस्ट के निर्देशन में ACP एवं TOPB टीम (कांस्टेबल पंकज कुमार एवं कांस्टेबल जगन सिंह) द्वारा भरूच स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या 03 पर गुप्त निगरानी की जा रही थी। इस दौरान गाड़ी संख्या 19417 से एक संदिग्ध बाहरी व्यक्ति को मौके पर पकड़ा गया। तलाशी के दौरान उसके पास से श्क्स्ड 5ऋ मोबाइल फोन (अनुमानित कीमत किमत ₹5,000/-) बरामद हुआ। पूछताछ में उसने किसी यात्री का मोबाइल चोरी करना स्वीकार किया। आरोपी को चोरी के मोबाइल फोन सहित अग्रिम कार्यवाही हेतु जीआरपी/भरूच को सुपुर्द किया गया, जहां उसके विरुद्ध मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ की गई।

यात्रियों के पैसे और समय ही नहीं बचा रही मुंबई मेट्रो, एक ही साल में घटाया शहर का टनों प्रदूषण

(जीएनएस)।

मुंबई मेट्रो कम ही समय में मायानगरी का जरूरी हिस्सा बनती जा रही है। शहरवासियों के लिए यह आरामदेह और किफायती परिवहन विकल्प है। मेट्रो के इस्तेमाल से लोगों को ट्रैफिक जाम में फंसने से मुक्ति मिल रही है और सफर के दौरान घंटों जाम में बर्बाद नहीं हो रहा है। कई रूट पर सड़क मार्ग से जाते हुए 1 से डेढ़ घंटे तक लगते हैं, मेट्रो वह दूरी 30 मिनट में तय करती है। इसके अलावा, मुंबई मेट्रो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी मील का पत्थर साबित हो रही है।

मुंबई मेट्रो लाइन-2अ (दहिसर ईस्ट से डीएन नगर) और लाइन-7 (दहिसर ईस्ट से गुंडावली) को अब पूरी तरह से कार्बन मुक्त होने का प्रमाणपत्र मिल गया है। इसका मतलब है कि इन दोनों मेट्रो लाइनों के संचालन से उत्पन्न कार्बन उत्सर्जन को प्रभावी ढंग से कम और संतुलित किया गया है। यह उपलब्धि न केवल मुंबई बल्कि पूरे देश के लिए पर्यावरण संरक्षण की दिशा में मील का पत्थर है।

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अहम कदम

मुंबई मेट्रो प्रशासन की ओर से मिली जानकारी के मुताबिक, जनवरी 2023 से दिसंबर 2024 की अवधि के दौरान इन दोनों मेट्रो लाइनों की वजह से 85,849 टन उड$_2$ उत्सर्जन कम करने में सफलता मिली है। मेट्रो का इस्तेमाल करने वाले यात्रियों की बढ़ती संख्या ने निजी वाहनों के उपयोग को कम किया, जिससे प्रदूषण और ट्रैफिक दोनों से राहत मिली। यही वजह है कि अंतर्राष्ट्रीय मानक ढअर 2060:2014 के अनुसार इन लाइनों को कार्बन न्यूट्रल घोषित किया गया है।

लोगों के लिए यह बड़ी राहत

- मुंबई मेट्रो के अधिकतम इस्तेमाल से सड़क यातायात में कमी और ट्रैफिक जाम से राहत मिल रही है। सरकार भविष्य में मेट्रो को लोकल की तरह आम लोगों के लिए बजट ट्रैवल विकल्प बनाने पर जोर दे रही है।
- वायु प्रदूषण घटने से स्वास्थ्य पर सकारात्मक असर पड़ सकता है। मुंबई में प्रदूषण एक बेहद गंभीर समस्या है।
- यात्रा का समय घटने से कामकाजी लोगों को बड़ी सहूलियत।
- शहर में टिकाऊ और पर्यावरण-अनुकूल परिवहन व्यवस्था बनाने की दिशा में यह एक मजबूत कदम साबित हो रहा है।

मुंबई मेट्रो प्रशासन का कहना है कि भविष्य में अन्य मेट्रो लाइनों को भी इसी मॉडल पर कार्बन न्यूट्रल बनाने की योजना है। स्टेशन परिसरों में सोलर पैनल, ग्रीन एरिया और ऊर्जा दक्ष तकनीक को बढ़ावा दिया जाएगा। यह पहल न केवल मुंबई की मेट्रो को आधुनिक और पर्यावरण के अनुकूल बनाती है, बल्कि अन्य शहरों के लिए भी एक प्रेरणा है। आने वाले दिनों में, मेट्रो का विस्तार और हरित जैसी पहले मिलकर मुंबई को और भी स्वच्छ और बेहतर बनाएंगी।

01 और 02 अक्टूबर को रेलवे क्रॉसिंग नं. 28 B (नांदोल फाटक) बंद रहेगा

पश्चिम रेलवे अहमदाबाद मंडल के नांदोल दहेगाम स्टेशन के पास स्थित रेलवे क्रॉसिंग संख्या 28 B (नांदोल फाटक) किमी 380/6-7 मरम्मत एवं रखरखाव कार्य हेतु 01 अक्टूबर 2025 को प्रातः 09:00 बजे से 02 अक्टूबर 2025 को सायः 19:00 बजे तक (2 दिन) बंद रहेगा।

सड़क उपयोगकर्ता इस अवधि के दौरान RUB (अंडरपास) नं 20 A चिलोडा-गांधीनगर हाईवे से आवागमन कर सकते हैं।

3 अमृत भारत एक्सप्रेस और 4 पैसेंजर ट्रेन सहित बिहार के लिए 7 नई ट्रेन

केंद्रीय मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव और उपमुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी ने नई ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई

देश भर में अमृत भारत एक्सप्रेस सेवाओं की कुल संख्या बढ़कर 30 हुई, जिसमें 26 सेवाएं बिहार से शुरू होंगी

बिहार में कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए यात्री ट्रेनें, अमृत भारत एक्सप्रेस बिहार को तेलंगाना, राजस्थान और दिल्ली से जोड़ेगी

बिहार का वार्षिक रेल बजट 2014 से पहले ₹1,000 करोड़ से बढ़कर 2025 में ₹10, बिहार का वार्षिक रेल बजट 2014 से पहले 1,000 करोड़ रुपये से बढ़कर 2025 में 10,000 करोड़ रुपये हो गया, जबकि लगभग 1 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं पर काम पर पर काम चलएं चल रही हैं: अश्विनी वैष्णव$$पर काम चल रहा है

नई लाइनें, गेज परिवर्तन, दोहरीकरण या तीसरी और चौथी लाइनें जोड़ने आदि जैसी 21 प्रमुख रेलवे परियोजनाएं 2014 से बिहार में पूरी तरह से चालू, जिसमें पटना और मुंगेर रेल-सह-सड़क पुल शामिल

केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने

आज बिहार के उपमुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी के साथ मिलकर बिहार में कुल सात नई ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई, जिनमें तीन अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें शामिल हैं। ये नई ट्रेनें बिहार में कनेक्टिविटी को एक नया आयाम प्रदान करेंगी और यात्रियों को बेहतर यात्रा सेवाएं प्रदान करेंगी। इन नई ट्रेनों के उद्घाटन के साथ, अब देश भर में चलने वाली 30 अमृत भारत एक्सप्रेस सेवाओं में से बिहार में कुल 26 अमृत भारत एक्सप्रेस सेवाएं चालू हो गई हैं।

मुजफ्फरपुर-चरलापल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस मुजफ्फरपुर से दक्षिण भारत के लिए पहली अमृत भारत ट्रेन है, जबकि छपरा-आनंद विहार अमृत भारत एक्सप्रेस बिहार से दिल्ली के लिए छठी अमृत भारत ट्रेन बन गई है।

ये अत्याधुनिक स्वदेशी ट्रेन यात्रियों को तेज, सुरक्षित और आरामदायक यात्रा का अनुभव प्रदान करेंगी। ये ट्रेनें देश के विभिन्न हिस्सों, खासकर उत्तर और दक्षिण भारत से बिहार की कनेक्टिविटी को मजबूत करेंगी। इनके परिचालन से राज्य में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और पर्यटन, व्यापार एवं रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से कहा कि बिहार में विकास की गति ऐसी है कि निकट भविष्य में यह राज्य एक स्वर्णिम राज्य के रूप में उभरेगा। ये ट्रेनें बिहार में कनेक्टिविटी का एक नया स्तर प्रदान करेंगी, यात्रियों के लिए सुविधा बढ़ाएंगी और राज्य के समग्र विकास को गति देंगी। श्री वैष्णव ने कहा कि 2014 में प्रधानमंत्री श्री मोदी के पदभार ग्रहण करने के बाद से, उन्होंने राज्यों पर विशेष ध्यान देते हुए रेलवे को प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले बिहार का वार्षिक रेल बजट केवल लगभग 1,000 करोड़ रुपये था, जबकि आज यह लगभग 10,000 करोड़ रुपये है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने बिहार के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण दृष्टिकोण प्रस्तुत किया है, जिसके तहत बिहार में लगभग एक लाख करोड़ रुपये की परियोजनाएं चल रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य का रेलवे नेटवर्क पूरी तरह से विद्युतीकृत हो चुका है और 1,899 किलोमीटर नई पटरियां बिछाई गई हैं।

भारतीय रेल द्वारा विकसित, अमृत भारत एक्सप्रेस देश की रेल व्यवस्था में आधुनिकीकरण का प्रतीक बन गई है। यह ट्रेन यात्रा का न केवल एक तेज और किफायती विकल्प है, बल्कि इसमें सेमी-ऑटोमैटिक कपलर, अग्नि सूचक प्रणाली, सीलबंद गैंगवे और टॉक-बैक यूनिट जैसी उन्नत सुविधाएं भी हैं। पहली बार, गैर-वातानुकूलित डिब्बों में यात्रियों की सुरक्षा को बढ़ाने के लिए ऐसी उन्नत तकनीक का इस्तेमाल किया गया है।

यह ह्वविकसित बिहार से विकसित भारतह्व के विजन को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों का संक्षिप्त विवरणः

दरभंगा-अजमेर (मदार) अमृत भारत एक्सप्रेस

मुजफ्फरपुर-हैदराबाद (चरलापल्ली) अमृत भारत एक्सप्रेस

छपरा- दिल्ली (आनंद विहार टर्मिनल) अमृत भारत एक्सप्रेस

रेल सेवाओं में आम जनता की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए केंद्रीय मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव और उपमुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी ने चार यात्री ट्रेनों को भी हरी झंडी दिखाई।

यात्री ट्रेनों का संक्षिप्त विवरणः

कौन हैं राव नरेंद्र सिंह? मल्लिकार्जुन ने जिन्हें अध्यक्ष नियुक्त कर सौंपी हरियाणा कांग्रेस की कमान

(जीएनएस)।

कांग्रेस ने सोमवार को राव नरेंद्र सिंह को हरियाणा इकाई का नया अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा को राज्य में कांग्रेस विधायक दल (CLP) का नेता नियुक्त किया। इन नियुक्तियों के साथ, हरियाणा में जाट नेता को सीएलपी प्रमुख और दलित नेता को पीसीसी अध्यक्ष बनाने की 20 साल पुरानी व्यवस्था अब बदल गई है।

राव नरेंद्र सिंह ने उदय भान की जगह ली है, जिन्हें अप्रैल 2022 में राज्य इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। सिंह नारनौल से आते हैं और हरियाणा के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री रह चुके हैं। हुड्डा को विधानसभा चुनाव के लगभग एक साल बाद सीएलपी नेता नियुक्त किया गया है।

हाल के विधानसभा चुनावों के बाद से सीएलपी का पद खाली था। पार्टी ने अब दोनों महत्वपूर्ण पदों को भर दिया है। पीटीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, इस निर्णय को पार्टी के भीतर के दबावों का परिणाम माना जा रहा है, क्योंकि कांग्रेस ने पिछले एक साल से सीएलपी नेता की घोषणा नहीं की थी।

अधिकांश कांग्रेस विधायकों ने हुड्डा का समर्थन किया था और चाहते थे कि वे सीएलपी का नेतृत्व करें, खासकर जब पार्टी हाल के विधानसभा चुनावों में भाजपा को सत्ता से हटाने में विफल रही थी। इसके बावजूद, यह पद कुछ समय तक खाली रहा। इस नियुक्ति के साथ, हुड्डा ने हरियाणा में पार्टी के मुख्य नेता के रूप में अपनी स्थिति फिर से मजबूत कर ली है।

कौन हैं राव नरेंद्र सिंह?

मंधाना महेन्द्रगढ़, हरियाणा के मूल निवासी राव नरेंद्र सिंह नरनौल विधानसभा क्षेत्र से 2009 से 2014 तक विधायक रहे। उन्होंने हरियाणा के स्वास्थ्य मंत्री के रूप में भी कार्य किया है।। उनके चुनावी इतिहास की बात करें तो, उन्होंने नारनौल से हरियाणा विधानसभा चुनाव जीता था। हालांकि, 2009 में वह भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा सीट से चुनाव हार गए थे। बाद में वे कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए और मंत्री पद संभाला। कांग्रेस में शामिल होने से पहले उन्होंने हरियाणा जनहित कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ा था। इसके बाद, वे कांग्रेस में वापस लौटे और हुड्डा सरकार का हिस्सा बने।

'राजनीति में वो नौसीखिया आदमी है', पीके के आरोपों पर सम्राट चौधरी ने दिया करारा जवाब

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान अब कभी भी हो सकता है। तारीखों के ऐलान से पहले राजनीतिक पार्टियों के बीच आरोप-प्रत्यारोप बढ़ गया है। बिहार चुनाव में पहली बार चुनावी मैदान में उतरे जनसुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर बड़ा आरोप लगाया।

पीके यानी प्रशांत किशोर ने बिहार डिप्टी सीएम पर पटना के चर्चित शिल्पी गौतम हत्याकांड का आरोपी बताया। उन्होंने कहा कि सम्राट चौधरी हत्या के एक मामले में अभियुक्त हैं और 1995 में इस आरोप से बचने के लिए उन्होंने फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल किया। प्रशांत किशोर बोले सम्राट चौधरी छह लोगों की हत्या करने का आरोप लगाते हुए दावा किया कि सीबीआई ने सम्राट चौधरी उर्फ राकेश कुमार से पूछताछ की थी।

प्रशांत किशोर के इस आरोप पर अब बिहार डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने खुलकर मीडिया के सवालों को जवाब दिया है। इसके साथ उन्होंने बताया कि पीके जिस राकेश कुमार का जिक्र कर रहे हैं वो बेचारा राकेश कुमार आइस्क्रीम बेचता था और वो हाजीपुर का रहने वाला है।

"वो नौसीखिया आदमी है..."

प्रशांत किशोर के आरोपों का जवाब देते हुए सम्राट चौधरी ने कहा "वो नौसीखिया आदमी है, 1995 में मुझे और हमारे परिवार के 22 लोगों को जेल में डाला दिया गया तब लालू के गुंडो ने हमारे घर के अनाज और कुएं में पेशाब कर दिया, तब बिहार के जो अभी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हैं, उन्होंने मेरे लिए 7 किलोमीटर पैदल चले थे, मानवाधिकार आयोग ने

बिहार की तत्कालीन लालू प्रसाद सरकार के खिलाफ कार्रवाई की और हमारा परिवार मुक्त हुआ।

वहीं शिल्पी हत्याकांड के आरोप पर डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा, उस पूरे केस की जांच सीबीआई ने की थी, हम लोगों को तो पता भी नहीं है, और प्रशांत किशोर जिस राकेश की बात कर रहे हैं, वो एक आइस्क्रीम बेचने वाला है। वो हाजीपुर का रहने वाला है।

"जिन्हें अनुभव नहीं, वे ऐसी सनसनीखेज बातें फैलाते हैं"

इसके साथ ही सम्राट चौधरी ने कहा, "भइया इन लोगों को पता नहीं है, इनको बिहार के बारे में कुछ नहीं पता है। वो पूरे देश को लूट कर आया है, बोल रहा है कि हमें 14 करोड़ का चंदा दिया गया। उन्होंने प्रशांत किशोर का नाम लिए बिना कहा कि जो लोग राजनीति में नए आए हैं और जिन्हें अनुभव नहीं है, वे ऐसी सनसनीखेज बातें फैलाते हैं। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि जब लोग उन्हें पहचानते नहीं हैं, तो उप मुख्यमंत्री पर बोलकर ही वे सुर्खियों में आ सकते हैं।

चौधरी बोले- मैं 17 सरकारों के साथ किया लेकिन...

चौधरी ने अपने राजनीतिक अनुभव के बारे में कहा कि उन्होंने देश की 17 सरकारों के साथ काम किया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि वे जनता दल (यूनाइटेड) के सदस्य रहे, लेकिन कभी भी पैसों के लिए काम नहीं किया, न ही उन्हें किसी ने पैसे दिए।

प्रशांत किशोर की कमाई को लेकर किया ये सवाल?

उपमुख्यमंत्री ने प्रशांत किशोर के 241 करोड़ रुपये के मेहनताने के दावे पर सवाल उठाया। उन्होंने पूछा कि नवयुगा कंपनी, जो कि एक कंस्ट्रक्शन कंपनी है, ने किशोर से कौन सी कंसल्टेंसी कराई थी। चौधरी ने चुनौती देते हुए कहा कि उन्हें स्पष्ट करना चाहिए कि वे कंस्ट्रक्शन में दलाली कर रहे थे या सौदागिरी।उन्होंने यह भी कहा कि अगर किशोर को मेहनत का पैसा मिला था, तो पहले क्यों नहीं मिला?

उन्हें पाई-पाई का हिसाब देना होगा

चौधरी ने चेतावनी दी कि अगर वे राजनीति में आए हैं, तो उन्हें पाई-पाई का हिसाब देना होगा। प्रशांत किशोर के 1995 के मामले में लगाए गए आरोपों पर सम्राट चौधरी ने कहा कि उस समय वे राजनीति में थे ही नहीं।

उन्होंने प्रशांत किशोर पर पलटवार करते हुए कहा कि वे केवल सनसनी फैलाना चाहते हैं, ताकि लोग उन्हें जान सकें। चौधरी ने कहा कि जो लोग राजनीति में "कुकुरमुत्ते की तरह" नए आए हैं, उन्हें अनुभव होने पर ही सही जानकारी मिल पाएगी।

एशियन किड्स, ठाकुरगंज में धूमधाम से मनाया गया दशहरा एवं डांडिया नाइट

(जीएनएस)।

लखनऊ : एशियन किड्स में दशहरे के पावन अवसर पर दशहरा एवं डांडिया नाइट का भव्य आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती बीनू गोगिया , डांसिंग दीवा एकेडमी की संस्थापक एवं कोरियोग्राफर, उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की शुरूआत एशियन किड्स के बच्चों द्वारा रामलीला मंचन से हुई, जिसमें राम, सीता, हनुमान और अन्य पात्रों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने सभी का हृदय मोह लिया। बच्चों के अभिनय और नृत्य ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके बाद डांडिया नाइट का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों की माताओं ने

रंग-बिरंगे परिधानों में आकर्षक डांडिया प्रस्तुति दी। उनकी ताल और उत्साह ने वातावरण को और भी अधिक आनंदमय बना दिया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रबंधक शहाब हैदर ने दशहरे के महत्व पर सरल और प्रेरणादायी संदेश दिया। उन्होंने कहा कि दशहरा हमें यह सिखाता है कि अच्छाई हमेशा बुराई पर विजय प्राप्त करती है और हमें अपने जीवन में सत्य, साहस और नैतिक मूल्यों को अपनाना चाहिए। मुख्य अतिथि श्रीमती बीनू गोगिया ने बच्चों की प्रस्तुतियों और विद्यालय की इस सांस्कृतिक पहल की प्रशंसा की और सभी को दशहरे की शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम का समापन हर्ष और उल्लास के वातावरण में हुआ।

जनसुराज पार्टी के प्रमुख पीके के आरोपों पर अशोक चौधरी की सांसद बेटी शांभवी का जवाब, बोलीं- कोई नई बात नहीं!

(जीएनएस)।

बिहार में आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। जनसुराज पार्टी के प्रमुख प्रशांत किशोर ने एक बार फिर बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर तीखा हमला बोला है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए प्रशांत किशोर ने सम्राट चौधरी को सीधे तौर पर "हत्यारा" करार दिया और उन पर गंभीर आरोप लगाए।

किशोर ने दावा किया कि सम्राट चौधरी बिहार के बहुचर्चित शिल्पी हत्याकांड में संदिग्ध अभियुक्त थे और यह मामला सीबीआई को सौंपा गया था। इसके अलावा प्रशांत किशोर ने दावा किया है कि अशोक चौधरी ने "200 करोड़ की संपत्ति अर्जित की है" और वे अपने इस बयान पर कायम हैं। उन्होंने मंत्री से इस्तीफे की भी मांग की है। इस आरोप पर लोजपा (रामविलास) सांसद और अशोक चौधरी की बेटी शांभवी चौधरी ने अपनी प्रतिक्रिया दी है।

प्रशांत किशोर के इन आरोपों पर अशोक चौधरी की सांसद शांभवी चौधरी ने अपने पिता का बचाव किया है। एएनआई से बात करते हुए लोजपा (रामविलास) सांसद शांभवी चौधरी ने कहा, "राजनीति में, खासकर चुनाव के समय, आरोप-प्रत्यारोप लगना कोई नई बात नहीं है।"

शांभवी बोलीं- ये सभी आरोप झूठे और निराधार हैं

शांभवी ने आगे कहा, "लोग मीडिया में अपनी प्रासंगिकता बनाए रखने के लिए इसे एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करते हैं।" शांभवी ने जोर देकर कहा, "मेरे पिता, मेरी सास और मैंने उनके लगाए आरोपों पर अपने विचार प्रस्तुत किए हैं, लेकिन जिस तरह से वे बार-बार आरोप लगा रहे हैं, हम फिर से कह रहे हैं कि इन सभी आरोपों का कोई आधार नहीं है; ये सभी आरोप झूठे और निराधार हैं।"

उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव के दौरान किसी पर भी ऐसे आरोप लगाना आसान हो जाता है, और ये सभी आरोप झूठे, बेबुनियाद और निराधार हैं।

गौरतलब है कि जनसुराज पार्टी के नेता प्रशांत किशोर ने "इन्होंने कैमरे पर कहा था कि अगर 1 कट्ठा भी जमीन हो जाएगा तो मैं जन सुराज की गुलामी करूंगा।" उन्होंने चुनौती देते हुए कहा, "अभी कागज जारी हुआ है, उसमें आप कहिए कि ये आपकी जमीन नहीं है। अगर जमीन है तो जन सुराज की गुलामी मत करिए, बिहार के लोगों की गुलामी के लिए तैयार हो जाएं, इस्तीफा दीजिए... हम लोग राज्यपाल के पास और कोर्ट में जाएंगे। इनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।"

अमृतसर में बाढ़ पीड़ितों को टीम लखनऊ ने बड़े पैमाने पर बांटी राहत सामग्री

जरूरतमंदों तक राहत सामग्री पहुंचाने में सेना के जवान कर रहे हैं मदद :मुर्तजा अली

लखनऊ।पंजाब के अमृतसर में बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए टीम लखनऊ ने राहत अभियान की शुरूआत कर दी है।टीम लखनऊ के लोग गांव गांव जाकर राहत सामग्री बांट रहें है।अभी तक जिन गांवों को राहत सामग्री पहुचाई जा चुकी है उसमे रुड़ेवाल, अजनाला,आवान,चोन्जा,

पिन्डी सैय्यदा,डेरे शियाम नगर आदि शामिल है।राहत अभियान के दौरान टीम लखनऊ के टीम लीडर मुर्तजा अली ने बताया कि ज्यादातर गांवों मे राहत सामग्री बांटी जा रही है।टीम लखनऊ 25 से 30 टन राहत सामग्री बाढ़ पीड़ितों को बांटेगी।टीम

लखनऊ को राहत सामग्री बांटने मे सेना पूरा सहयोग मिल रहा है।राहत अभियान में टीम लखनऊ के सचिव,मुर्तजा अली,संयुक्त सचिव जुबैर अहमद, संस्थापक सदस्य कुदरत उल्लाह खा, मीडिया प्रभारी अब्दुल वहीद,जसबीर गांधी,वामिक खान,सदस्य निखिल,इरफान शेख,शाहबाज, ऐडमिन सहित अमृतसर के सेना के पूर्व कैप्टन रन्जोत सिंह सहित काफी लोग राहत सामग्री बांटने मे सहयोग कर रहे है ।

कलेक्ट्रेट सभागार में किचन के सुपरवाइजर ने अवार्ड प्राप्त किया

लखनऊ,

बलरामपुर अस्पताल को बेस्ट हॉस्पिटल किचन अवार्ड मिला है। यह अवार्ड कलेक्ट्रेट में फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एफएसएसएआई) की ओर से आयोजित समारोह में दिया गया।

बलरामपुर अस्पताल में 776 बेड हैं। रोजाना इमरजेंसी से लेकर विभिन्न वार्डों में 200 से 250 नए मरीज भर्ती होते हैं। इसमें आयुष्मान योजना से आच्छादित मरीज से लेकर लावारिस भी शामिल हैं। बलरामपुर अस्पताल में निदेशक कार्यालय पर बने बड़े किचन से रोजाना भर्ती मरीजों और तीमारदारों को सुबह और रात को दो टाइम शुद्ध शाकाहारी भोजन निःशुल्क मुहैया कराया जाता है। सुबह और रात को

मिलाकर करीब 2500 मरीज और तीमारदार को भोजन बांटा जाता है। वहीं सुबह के समय करीब ढाई सौ आयुष्मान और लावारिस मरीजों को निःशुल्क नाश्ता वितरित किया जाता है। किचन में रोजाना सफाई से लेकर स्वच्छ, शुद्ध और पौष्टिक भोजन तैयार करने की जिम्मेदारी सुपरवाइजर ओम प्रकाश समेत अन्य कर्मचारियों की है। सुपरवाइजर ओम प्रकाश ने कलेक्ट्रेट सभागार में पहुंचकर बेस्ट हॉस्पिटल किचन अवार्ड अफसरों से प्राप्त किया। एफएसएसएआई की ओर से बलरामपुर अस्पताल को ईट राइट कैंपस अवार्ड मिला है। इस पर निदेशक डॉ. कविता आर्या, सीएमएस डॉ. हिमांशु चतुर्वेदी, एमएस डॉ. देवाशीष शुक्ला ने खुशी जताते हुए किचन के सभी कर्मचारियों को बधाई दी है।

यह है डाइट

भोजन- दाल और सब्जी (रोजाना बदलकर), रोटी और चावल।

नाश्ता- सुबह के समय दूध, ब्रेड, मक्खन और दोपहर बाद अंडा और केला।

वेटरिनरी वेक्सिन मेकर्स ने वेटरिनरी वेक्सिन इण्डिया मेन्युफेक्कर्स एसोसिएशन का किया गठन

बरेली । भारत के एनिमल हेल्थकेर सेक्टर के लिए एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, वेटरिनरी वेक्सिन ईन्डिया मेन्युफेक्कर्स एसोसिएशन ने मिलकर वेटरिनरी वेक्सिन ईन्डिया मेन्युफेक्कर्स एसोसिएशन (वीवीआईएमए) के गठन की घोषणा की है। वीवीआईएमए एक नोन-गवर्नमेन्ट, नोन-प्रोफिट ओगेनाईझेशन है जो भारत में वेटरिनरी वेक्सिन मेन्युफेक्कर्स का समूह है, जो कलेक्टिव वोईस के रूप में सर्विस प्रोवाईड करेगा। यह संगठन वेटरिनरी वेक्सिन में ईनोवेशन, क्वोलिटी मेन्युफेक्करिंग और ग्लोबल कोम्पेटिटिवनेस के लिए एक सक्षम ईकोसिस्टम बनाने के लिये नीति निमार्ताओं, नियामकों और हितधारकों के साथ सक्रिय रूप से सहयोग करेगा। इसका उद्देश्य भारत को एनिमल वेक्सिन के रिसर्च, डेवलोपमेन्ट और मेन्युफेक्करिंग के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करना है। वन हेल्थ कोन्सेप्ट को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध, वीवीआईएमए इफेक्टिव ईम्युनाईझेशन स्ट्रेटेजिस के माध्यम से एनिमल हेल्थ को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, जिससे पशुओं में बीमारी के जोखिम, पशुओं और मनुष्यों के बीच रोग संचरण के जोखिम को कम किया जा सकेगा और ग्रामीण भारत में पशुपालन से जुड़े लोगों की आय में सुधार होगा। 25 सितंबर को दिल्ली में वीवीआईएमए के संस्थापक सदस्यों और पशुपालन एवं डेयरी विभाग के बीच एक बैठक हुई, जिसमें राज्य मंत्री प्रो. एस. पी. सिंह बघेल, सचिव नरेश पाल गंगवार, पशुपालन आयुक्त डॉ. प्रवीण मलिक और अतिरिक्त सचिव सुश्री वर्षा जोशी ने

वीवीआईएमए की कमिटमेन्ट व्यक्त की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप, वीवीआईएमए रिसर्च एवं डेवलोपमेन्ट, प्रौद्योगिकी अधिग्रहण, ईन्नोवेशन और मजबूत आपूर्ति-श्रृंखला के माध्यम से एनिमल वेक्सिन में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के लिए सरकार के साथ मिलकर काम करेगा, जिसका व्यापक लक्ष्य भारत को वेटरिनरी वेक्सिन्स का वैश्विक सप्लायर बनाना है। भारत में वेटरिनरी वेक्सिन मार्केट अंदाजित 20 बिलियन रुपये (2,000 करोड़ रुपये) का होने का अनुमान है। जबकि विश्व पशु चिकित्सा टीका बाजार 1,000 बिलियन रुपये (1 लाख करोड़ रुपये) से अधिक का होने का अनुमान है। भारत में आठ निजी क्षेत्र के वेटरिनरी वेक्सिन मेन्युफेक्कर्स और कई सरकारी स्वामित्व वाली वेटरिनरी वेक्सिन मेन्युफेक्करिंग युनिट्स हैं। भारत में वेटरिनरी वेक्सिन मुर्गी, ढोर, भेड़, बकरी, पीग और पालतू जानवरों की बीमारियों के लिए बनाए जाते हैं। विभिन्न राष्ट्रीय और राज्य टीकाकरण कार्यक्रमों के अंतर्गत, भारत सरकार फूट एन्ड माउथ डिसिस एफएमडी, ब्रुसेलोसिस, पेस्ट डेस पेटिट्स रूमिनेंट्स ट्रिपल पी, गोट पोक्स के लीए और क्लासिकल स्वाइन फीवर के लिए वेक्सिन खरीदती और वितरित करती है; ये सभी वेक्सिन घरेलू स्तर पर निर्मित होते हैं, और मुख्यतः निजी क्षेत्र द्वारा आपूर्ति किए जाते हैं। भारत ढोर, भेड़ों, बकरियों और पीग के लिए वेटरिनरी वेक्सिन में आत्मनिर्भर है। भारत ढोर, भेड़ों, बकरियों, मुर्गी और घरेलू पशुओं के लिए वेक्सिन का एक्सपोर्ट करता है। भारत थोड़ी मात्रा में मुर्गी पालन के टीकों का निर्यात करता है, हालाँकि भारत मुर्गी पालन और घरेलू पशुओं के लिए कुछ टीकों का आयात भी करता है। हेस्टर बायोसाइंसेज लिमिटेड के सीईओ एवं मेनेजिंग डिरेक्टर तथा वीवीआईएमए के अध्यक्ष राजीव गांधी ने कहा वेटरिनरी वैक्सिन इंडिया मैन्युफैक्चररर्स एसोसिएशन - वीवीआईएमए का पहला अध्यक्ष चुना जाना मेरे लिए गर्व की बात है। वीवीआईएमए भारत में वेटरिनरी वेक्सिन मेन्युफेक्करर्स का कलेक्टिव वोइस बनेगा। वीवीआईएमए पोलिसी मेकर्स, नियामकों और हितधारकों के साथ सक्रिय रूप से जुड़कर एक ऐसे दृष्टिकोण की दिशा में काम करेगा जो इन्नोवेशन को बढ़ावा दे, गुणवत्तापूर्ण उत्पादन सुनिश्चित करे और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को बढ़ाए, जिससे भारत को वेटरिनरी वेक्सिन के सेन्टर के रूप में स्थापित करने का इसका स्पष्ट उद्देश्य पूरा हो सके। वीवीआईएमए पशु और पोल्ट्री स्वास्थ्य में प्रभावी टीकाकरण के महत्व को उजागर करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, जो न केवल पशुओं को बीमारियों से बचाने पर बल्कि मानव स्वास्थ्य की रक्षा पर भी केंद्रित होगा, जिससे जूनोटिक संक्रमणों का जोखिम कम होगा। इंडियन इम्यूनोलॉजिकल्स लिमिटेड के मेनेजिंग डायरेक्टर और वीवीआईएमए के उपाध्यक्ष डा. के. आनंद कुमार ने कह वीवीआईएमए की स्थापना भारत में वेटरिनरी वेक्सिन ईन्डस्ट्री को प्रभावित करने वाले आंतरिक और बाह्य कारकों को ध्यान में रखते हुए की गई है। ता है। वीवीआईएमए की वेक्सिनेशन पॉलिसी के माध्यम से ग्रामीण भारत में पशुपालन से जुड़े लोगों की आय में वृद्धि की संभावना है।

पलासियो मॉल में बाउंसर को गोली मारी, नशेड़ियों ने किया जानलेवा हमला

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के पलासियो मॉल में 20 सितंबर 2025 की देर रात एक भयावह घटना सामने आई, जहाँ नशे में धुत कुछ लोगों ने एक सुरक्षा गार्ड पर पिस्टल से गोली चला दी। इस हमले में बाउंसर पुरुषोत्तम गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनकी पीठ में गोली लगी है। घटना सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र के पलासियो मॉल स्थित टॉनिक बार के बाहर लगभग 2:00 बजे रात की है।

जानकारी के अनुसार, बार के अंदर झगड़ा करने के बाद कुछ शराबियों को बार से बाहर निकाल दिया गया था। बाहर निकलने के बाद, नशे में चूर इन लोगों ने मॉल के गेट पर तैनात एक अन्य सुरक्षा एजेंसी के गार्डों से झगड़ा शुरू कर दिया। इसी दौरान, कार में बैठी एक महिला, डॉ. स्वाति, के कहने पर नशेड़ियों ने जान से मारने की नीयत से अचानक पिस्टल निकालकर चार राउंड

फायरिंग कर दी।

गोलीबारी में एक बाउंसर पुरुषोत्तम की पीठ में गोली लगी, जबकि एक अन्य सुरक्षाकर्मी भी घायल हो गया। दोनों घायलों को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहाँ उनका इलाज चल रहा है।

गोली लगने और साथियों के घायल होने से आक्रोशित सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत एकजुट होकर नशेड़ियों का मुकाबला किया और उन्हें भागने से रोक दिया। सुरक्षा एजेंसी के कर्मियों ने मॉल का गेट बंद कर दिया, जिससे नशेड़ी बाहर नहीं जा पाए। घायल होने के बावजूद, बाउंसर पुरुषोत्तम ने अपने कर्त्तव्यों का निर्वाह किया।

घटना की सूचना मिलते ही सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस मौके पर पहुँची। पुलिस ने चारों नशेड़ियों को हिरासत में लिया, उनकी पिस्टल जब्त की और उनके खिलाफ मामला दर्ज किया।

इस संबंध में पुलिस उपायुक्त दक्षिणी, निपुण अग्रवाल, ने बताया कि गोली चलाने वाले आरोपियों डॉ. स्वाति, रोहित पटेल, प्रिंस वर्मा और हर्ष मिश्रा के विरुद्ध हत्या के प्रयास (मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया गया) का मुकदमा दर्ज किया गया है। यह घटना मॉल और सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था और नशे में उत्पात मचाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जरूरत को दशार्ती है।

संजय कुमार अध्यक्ष और ज्ञान प्रकाश बने महामंत्री

लखनऊ,

चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण महानिदेशालय मिनीस्ट्रीयल एसोसिएशन उप्र. का चुनाव स्वास्थ्य भवन महानिदेशालय में संपन्न हुआ। इसमें अध्यक्ष पद पर संजय कुमार अपने प्रतिद्वंदी जितेंद्र नाथ गुप्ता से एक मत से विजयी घोषित हुए, जबकि महामंत्री ज्ञान प्रकाश ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी सोमेश श्रीवास्तव को 62 वोट के अंतर से करारी शिकस्त देकर विजय प्राप्त की। इसके अलावा एसोसिएशन में वरिष्ठ उपाध्यक्ष लोकेश यादव, कनिष्ठ उपाध्यक्ष तरुण यादव चुने गए। वहीं, कोषाध्यक्ष पद पर मनोज यादव, वरिष्ठ संयुक्त मंत्री अमित चौधरी, कनिष्ठ संयुक्त मंत्री

नीरज वर्मा, संगठन मंत्री सागर श्रीवास्तव, ऑडिटर विवेक श्रीवास्तव, सांस्कृतिक एवं प्रचार मंत्री धीरेंद्र सिंह निर्विरोध चुने गए।

हुसैनाबाद ट्रस्ट में बड़ा भ्रष्टाचार, कल्बे जवाद के नेतृत्व में 5 अक्टूबर को धरना

कल्बे जवाद का प्रदर्शन का ऐलान, हुसैनाबाद ट्रस्ट में वित्तीय धांधली पर आक्रोश,

राजधानी लखनऊ की ऐतिहासिक धरोहरों की पहचान, हुसैनाबाद ट्रस्ट, इन दिनों घोर भ्रष्टाचार और जर्जर

इमारतों के खराब रखरखाव को लेकर शिया समुदाय के निशाने पर है। ट्रस्ट की संपत्तियों और कार्यप्रणाली में व्याप्त अनियमितताओं पर गहरा रोष जताने के लिए, अंजुमन हाय मातमी ने शिया धर्मगुरु मौलाना सय्यद कल्बे जवाद नकवी के नेतृत्व में एक बड़े विरोध प्रदर्शन का ऐलान किया है।

28 सितंबर को मौलाना कल्बे जवाद नकवी के आवास पर हुई एक अहम बैठक में शिया समुदाय की चिंताएं सतह पर आ गईं। इस महत्वपूर्ण सभा में डेढ़ सौ से अधिक अंजुमनों के प्रतिनिधियों सहित अन्य शिया संगठनों के जिम्मेदारों ने हिस्सा लिया। बैठक का केंद्रीय मुद्दा हुसैनाबाद ट्रस्ट का कुप्रबंधन था, जिसके कारण ट्रस्ट की विश्वविख्यात इमारतें दिन-ब-दिन कमजोर होती जा रही हैं।

समुदाय में इस बात को लेकर तीव्र आक्रोश है कि ट्रस्ट की वक़्फ सम्पत्तियों पर अवैध कब्जे हो रहे हैं। मौलाना कल्बे जवाद साहब लंबे समय से ट्रस्ट के जिम्मेदारों को इमारतों की खराब हालत और वित्तीय अनियमितताओं के प्रति आगाह करते रहे हैं, मगर उनके 'कानों पर जूं तक नहीं रेंग रही।' आरोप है कि ट्रस्ट की जमीनों को नष्ट-भ्रष्ट कर और इमारतों से होने वाली आय को प्रशासन द्वारा करोड़ों का गोलमाल करके हड़पा जा रहा है, जबकि इमारतों के संरक्षण पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा।

इस गंभीर स्थिति पर विचार-विमर्श के बाद, बैठक में सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया गया। इस प्रस्ताव के तहत, हुसैनाबाद ट्रस्ट में व्याप्त भ्रष्टाचार और इमारतों के सही रखरखाव की मांग को लेकर 5 अक्टूबर, रविवार को कर्बला अब्बास बाग में विशाल धरना दिया जाएगा।

यह प्रदर्शन शिया समुदाय की गहरी चिंता को दशार्ता है कि उनकी ऐतिहासिक और धार्मिक धरोहरें उपेक्षा और अनियमितताओं की बलि चढ़ रही हैं। मौलाना कल्बे जवाद के नेतृत्व में यह घोषणा जमीनी स्तर पर शिया समुदाय की एकता और अपनी विरासत को बचाने के उनके दृढ़ संकल्प को प्रकट करती है। यह देखना होगा कि इस व्यापक विरोध के बाद हुसैनाबाद ट्रस्ट के जिम्मेदार अपनी कार्यशैली में क्या बदलाव लाते हैं।